

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 27 अक्टूबर 2026 वर्ष-9,अंक-266 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com



www.facebook.com/krantisamay1



www.twitter.com/krantisamay1

कुंभ से पहले नासिक में बना ‘शंखनाद’ का वर्ल्ड रिकॉर्ड

517 लोग शामिल हुए, पिछला रिकॉर्ड 303 लोगों का था



मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक में खिवार को 517 श्रद्धालुओं ने एक साथ शंख बजाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स बनाया। यह कार्यक्रम गोदावरी नदी के किनारे हुआ। यह आयोजन सिंहस्थ कुंभ मेले के ध्वजारोहण समारोह से पहले किया गया। प्रतिभागियों ने पांच मिनट 30 सेकंड तक शंख बजाए। आयोजकों के मुताबिक, कार्यक्रम के लिए चेन्नई से खास तौर पर प्रमाणित शंख मंगाए गए थे। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के सैनियर जज ऋषि नाथ ने देवमामलेदार रशवंत महाराज पटांगण में रिकॉर्ड की घोषणा की। इससे पहले एक साथ शंख बजाने का रिकॉर्ड 2019 में अमेरिका के न्यू जर्सी में 303 लोगों के नाम था।

संक्षिप्त

समाचार

भगवान वाल्मीकि ने हमें दुनिया का पहला महाकाव्य दिया

- सीएम योगी ने महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर सपा-कांग्रेस को घेरा

कानपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिदूर में सोमवार को एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को निशाना बनाया। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर अयोग्यता का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने अयोग्यता का विकास नहीं किया। अयोग्यता को गंदा बनाकर रखा। उन्होंने कहा कि भगवान महर्षि वाल्मीकि ने हमें रामायण, दुनिया का पहला महाकाव्य दिया। उन्होंने कहा कि, भगवान राम और

निषाद राज की मित्रता जब तक रहेगी, कांग्रेस और सपा के राज का स्वाहा होना तय है। सीएम योगी ने कहा कि, हम अपनी विरासत पर गौरव की अनुभूति करते हैं। हम यह मानकर चलते हैं कि इस धरती के प्रति, सनातन धर्म के प्रति, भारत भूमि के प्रति यदि किसी का योगदान है, उसके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करना हमारा दायित्व बनता है। उस दायित्व का निर्वहन करने के लिए हम लोग निरंतर कार्य करते हैं। भगवान महर्षि वाल्मीकि ने हमें रामायण, दुनिया का पहला महाकाव्य दिया। तो हम लोगों ने भी प्रयास किया कि महर्षि वाल्मीकि के प्रति श्रद्धा को व्यक्त करने का माध्यम क्या बनेगा।

‘दिमागी नक्सल’ और ‘टुकड़े-टुकड़े गैंग’ से दूर रहें

- बंगाल सीएम शुभेंद्रु बोले-कॉकरोचों को पनपने न दें

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुबेंद्रु अधिकारी को कहा कि ‘दिमागी नक्सल’, ‘टुकड़े-टुकड़े गैंग’ और कॉकरोचों को पनपने न दें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी



के साथ खड़े हों। सुबेंद्रु ने यह बातें तमलुक में भाजपा के पार्टी कार्यालय के भूमि पूजन के बाद पत्रकारों से बातचीत में कही। दो दिन में यह दूसरी बार है जब सुबेंद्रु ने कॉकरोच पार्टी पर निशाना साधा। खिवार को भी रामनवम में एक कार्यक्रम में सुबेंद्रु ने कहा था कॉकरोच, खटमल जैसी बुराइयां कोरोना वायरस की तरह फैलने की कोशिश कर रही हैं। इन्हें कीटनाशक स्प्रे ‘हिट’ से ही खत्म किया जा सकता है। ममता सरकार ने तुष्टीकरण की राजनीति की। ममता को राष्ट्रवाद की कोई समझ नहीं थी और वह राज्य को ‘ग्रेटर बांग्लादेश’ में बदलने की योजना बना रही थी। 34 साल तक शासन करने वाले वामपंथी और 15 साल तक सत्ता में रही टीएमसी सरकार ने लोगों की विरासत और संस्कृति को मिटाने की कोशिश की।

ध्वजारोहण में शामिल होंगी राष्ट्रपति मुर्मू

कमिश्नर शेखर सिंह ने कहा कि इस पहल से परंपरा को कुंभ मेले की शुभ शुरुआत से जोड़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि 31 अक्टूबर को ध्वजारोहण समारोह के समय 251 प्रतिभागी शंख बजाएंगे। कुंभ मेले का ध्वजारोहण समारोह 31 अक्टूबर को दोपहर 12.02 बजे रामकुंड में होगा। इस समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आमंत्रित किया गया है। इसी कार्यक्रम में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स का प्रमाणपत्र भी सौंपा जाएगा। 20 महीने तक चलने वाले कुंभ मेले के 44 मुहूर्त नासिक में और 53 मुहूर्त त्रबकेश्वर में खान के हैं।



ज्ञानेश कुमार को हटाएं, 30 सेकंड में आंदोलन रुक जाएगा

- राहुल गांधी ने दिल्ली के व्यापारियों से कह दी है बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रामलीला मैदान में एक नवंबर को होने वाली विपक्षी दलों की रैली पर कमेंट किया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में दिल्ली के व्यापारियों को संबोधित करते हुए अपनी बात रखी। राहुल गांधी ने



व्यापारियों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहिए कि वो आरोपी नंबर 4 ज्ञानेश कुमार को हटाएं तो विपक्ष का आंदोलन 30 सेकंड में रुक जाएगा। राहुल गांधी ने ‘एक्स’ पर एक वीडियो शेयर करते हुए पोस्ट में दिल्ली के व्यापारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस उनकी बात सुन रही है और उनके साथ खड़ी है। राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में कहा कि कांग्रेस दिल्ली के हर व्यापारी के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि हम आपसे प्यार करते हैं, आपकी बात सुन रहे हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मेट्रो सरकार ने बंद की, सड़कें सरकार ने सील की, राजधानी पर ताला सरकार ने लगाया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया कि जब वोट ही चोरी हो जाए, तो कुछ भी सुरक्षित नहीं- न आपकी दुकान, न आपकी बचत, न आपके बच्चों का भविष्य। कांग्रेस सांसद ने व्यापारियों से कहा कि पीएम मोदी से कहिए- आरोपी नंबर 4, ज्ञानेश कुमार को हटाएं, 30 सेकंड में आंदोलन रुक जाएगा।

‘फाइटर एसेट्स’ का नहीं होगा कोई स्थाई बंटवारा

विदेशी मॉडल की नकल नहीं करेंगे,आईएफ चीफ का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना के प्रमुख एपी सिंह ने एक बार फिर से थिएटराइजेशन योजना पर राय दी है। खिवार को एक साक्षात्कार में बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना लड़ाकू संपत्तियों को भौगोलिक आधार पर स्थायी रूप से बांटने के पक्ष में नहीं है। उन्होंने विदेशी मॉडलों की नकल करने के बजाय, भारत की विशिष्ट सुरक्षा जरूरतों के अनुरूप एक ढांचा तैयार करने की वकालत की। सामाचार एजेंसी को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि थिएटराइजेशन का मुख्य सिद्धांत यह होना चाहिए कि जहां जरूरी हो वहां सेंट्रलाइज्ड कंट्रोल हो और जहां उचित हो वहां डिसेंट्रलाइज्ड एजेंजीक्यूशन हो। उन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में चल रहे संघर्षों का हवाला देते हुए कहा कि वायु शक्ति (एयर पावर) सैन्य नतीजों को निर्णायक रूप से प्रभावित कर सकती है।

थिएटराइजेशन आजादी के बाद भारत का सबसे बड़ा सैन्य सुधार

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि इसे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और तीनों सेना प्रमुखों द्वारा स्थापित एक संयुक्त ढांचे के तहत अंजाम दिया गया था, जिसमें महत्वपूर्ण संसाधनों का केंद्रीकृत आवंटन और उनका तेजी से पुनः आवंटन निर्णायक साबित हुआ। 2019 में घोषित थिएटराइजेशन योजना को आजादी के बाद भारत का सबसे महत्वकांक्षी सैन्य सुधार माना गया है। इसका उद्देश्य तीनों सेनाओं को एक साथ लाकर उनके बीच बेहतर तालमेल और कार्यक्षमता स्थापित करना है।



कांग्रेस ने केंद्र से निष्पक्ष जांच की मांग की

सिरम ने घुसपैठ के दावों को खारिज करने वाले राज्य के मुख्यमंत्री, गृह मंत्री और केंद्रीय रक्षा मंत्री के बयानों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों की शिकायतों को अफवाह बताकर खारिज करने के बजाय उनकी जांच होनी चाहिए। सिरम के मुताबिक, कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात का समय मांगा था, ताकि उन्हें सीमा की स्थिति के बारे में बताया जा सके, लेकिन अनुमति नहीं मिली। उन्होंने केंद्र सरकार और रक्षा मंत्रालय से सीमा की वास्तविक स्थिति की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

मुंबई की लाइफलाइन ‘लोकल’ में आई तकनीकी खराबी

संचालन गड़बड़ाया,इंतजार के बाद यात्री ट्रेक पर चलने को हुए मजबूर

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में मुलुंड और ठाणे स्टेशनों के बीच ओवरहेड केबल पर तार लटकने मिलने के कारण सेंट्रल रेलवे की लोकल ट्रेन सेवाएं बाधित हो गई हैं। यात्रियों को मुलुंड और नाहूर के बीच पटरियों पर चलते देखा गया। सेंट्रल रेलवे के पीआरओ स्विफिन नीला ने कांजुर्माग में सिग्नल फेल होने की घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि इसके कारण विक्रोली और भांडुप के बीच सेंट्रल रेलवे का परिचालन बाधित हो गया था। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि मुंबई की सेंट्रल लाइन में प्रॉब्लम आने से लोकल ट्रेनों का संचालन रुका। बड़ी संख्या में यात्रियों को ट्रेक पर चलते हुए देखा जा रहा है। मुंबई में लोकल से लाखों लोग प्रतिदिन



सफर करते हैं। आर्थिक नगरी में यह परिवहन का सबसे बड़ा साधन है। यह छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से शुरू होकर कसारा और

खोपोली तक जाती है। कल्याण जंक्शन पर आकर यह दो हिस्सों (कसारा रूट और कर्जत-खोपोली रूट) में बंट जाती है। सेंट्रल रेलवे के

मुंबई डीआरएम ने एक्स पर लिखा है कि कांजुर्माग में एक तार हटाने के लिए ब्लॉक और रिले रूम में धुआं निकलने की घटना के कारण, ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुई हैं और गाड़ियां अपने निर्धारित समय से देरी से चल रही हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि कृपया इस असुविधा के लिए धैर्य रखें। उन्होंने कहा है कि हुई असुविधा के लिए हमें खेद है। सोमवार को अचानक सुबह लोकल के टय पड़ने से लोगों को दिक्कत हुई। दफ्तर और काम पर जाने वाले हजारों यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ट्रेनें लट हो गईं। एक साथ दो तकनीकी गड़बड़ी ने लोकल पर संचालन को बुरी तरह से प्रभावित किया।

दिल्ली-पटना से बेंगलुरु तक बीजेपी का ‘हल्लाबोल’

- खरगे के ‘बाप’ वाले बयान पर बवाल, माफी की मांग
- राजनाथ सिंह ने बयान को अशोभनीय और दुःखद बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री मोदी पर की गई टिप्पणी के विरोध में बीजेपी ने सोमवार को सभी राज्यों में पार्टी मुख्यालयों पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। बीजेपी ने खरगे के बयान को अशोभनीय और अपमानजनक बताते हुए उनके तत्काल इस्तीफे की मांग की है। यह विवाद खिवार को पटना में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान शुरू हुआ, जब भीड़ में से किसी ने कहा कि मोदी का बाप भी जाएगा। इस पर पलटवार करते हुए खरगे ने मंच से कहा कि मोदी का बाप भी जाएगा। इस बयान का वीडियो सामने आते ही दोनों दलों के बीच सियासी घमासान तेज हो गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ दिए गए एक विवादित बयान के विरोध में बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने देश के विभिन्न राज्यों और महानगरों में सड़कों पर उतरकर व्यापक प्रदर्शन किया। बिहार की राजधानी पटना में बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी करते हुए विरोध मार्च निकाला और कांग्रेस अध्यक्ष का पुतला फूंका। वहीं जम्मू में कार्यकर्ताओं ने खरगे



सबसे पुरानी पार्टी के अध्यक्ष का बयान स्तब्ध करने वाला

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने खरगे के बयान की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि वे प्रधानमंत्री के दिवंगत पिता को लेकर की गई टिप्पणी से स्तब्ध और आहत हैं। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुःखद है... सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह टिप्पणी किसी साधारण कार्यकर्ता या युवा नेता ने नहीं, बल्कि खुद को देश की सबसे पुरानी पार्टी बताने वाली कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की है। रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि गलती मानने और खेद जताने के बजाय कांग्रेस नेता इस बयान का बचाव करने और इसे सही ठहराने में लगे हैं, जिससे लोगों की भावनाएं और ज्यादा आहत हो रही हैं। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने खरगे के साथ-साथ राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हम राहुल गांधी की अपरिपक्वता के बारे में पहले से जानते थे, लेकिन अब लगता है कि बुरी संगत के असर से पार्टी के बाकी वरिष्ठ नेता भी उसी रंग में रंग गए हैं। जोशी ने कहा कि कांग्रेस के लोग हताश और निराश हो चुके हैं और सार्वजनिक जीवन से दूर जा चुके

दिवंगत माता-पिता का नाम घसीटकर भारतीय संस्कृति और मर्यादा को तार-तार कर रहे हैं।

भारत में ई 100 फ्लेक्स फ्यूल वाहनों को हरी झंडी

- सरकार बोली-कच्चे तेल का आयात और प्रदूषण घटेगा



नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने देश में 100 फीसदी एथेनॉल से चलने वाले फ्लेक्स-फ्यूल व्हीकल्स (ई100) के लिए नए नियम जारी कर दिए हैं। सेंट्रल मोटर व्हीकल्स रूल्स में संशोधन यानी बदलाव करते हुए सरकार ने ई 100 फ्यूल को मंजूरी दे दी है। नए नोटिफिकेशन के तहत एमिशन प्रोविजन में ई 85 फ्यूल के साथ अब ई 100 को भी शामिल कर लिया गया है। देश में हरित ईंधन और प्रदूषण मुक्त परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है।

भारत- चीन सीमा पर फिर बढ़ता तनाव राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती

(लेखक-क़ांतिलाल मांडेउत)

विस्तारवादी नीति पर भरोसा नहीं सतर्कता और सामरिक मजबूती से ही सुरक्षित रहेंगी सीमाएं

भारत और चीन के बीच सीमा विवाद एक बार फिर गंभीर चिंता का विषय बनता दिखाई दे रहा है। अरुणाचल प्रदेश में भारतीय और चीनी सैनिकों के आमने-सामने आने की खबरों ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर नई बहस छेड़ दी है। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर की ओर से अरुणाचल प्रदेश में कई स्थानों पर टकराव की स्थिति बने रहने की पुष्टि इस मामले की गंभीरता को रेखांकित करती है। सीमा पर शांति और स्थिरता की उम्मीदों के बीच तनाव का दोबारा उभरना बताता है कि चीन के साथ संबंधों में विश्वास कायम करना अभी भी बड़ी चुनौती है। सितंबर में दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय बातचीत होने के बावजूद सीमा पर गतिरोध का बने रहना कई सवाल खड़े करता है। भारत और चीन एशिया की दो बड़ी शक्तियां हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार, कूटनीति और क्षेत्रीय स्थिरता से जुड़े अनेक विषय हैं, लेकिन सीमा विवाद द्विपक्षीय संबंधों को बार-बार प्रभावित करता रहा है। चीन की विस्तारवादी नीतियों और सीमावर्ती क्षेत्रों में उसकी गतिविधियों को देखते हुए भारत के लिए सतर्क रहना आवश्यक है। किसी भी देश के साथ अच्छे संबंध स्थापित करने का अर्थ यह नहीं हो सकता कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रश्नों की अनदेखी की जाए। मित्रता और सहयोग की संभावनाएं तभी मजबूत होती हैं, जब दोनों पक्ष एक-दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करें।

अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी जिले में स्थित सीमावर्ती क्षेत्र तकसिंग में इस वर्ष जुलाई के अंतिम सप्ताह में भारतीय और चीनी सैनिकों के आमने-सामने आने की जानकारी सामने आई। इसके बाद अगस्त में चीनी सैनिकों की गतिविधियां बढ़ने और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तंबू लगाए जाने की खबरों ने चिंता बढ़ाई। उपलब्ध विवरणों के अनुसार, कुछ तंबू वास्तविक नियंत्रण रेखा से लगभग छह

से सात किलोमीटर भीतर लगाए जाने की बात कही गई है। हालांकि, ऐसे दावों और वास्तविक स्थिति का आकलन अधिकारिक तथ्यों के आधार पर किया जाना चाहिए। सीमा पर तैनात जवानों की गतिविधियों, गश्त के अधिकारों और वास्तविक नियंत्रण रेखा की स्थिति को लेकर स्पष्टता राष्ट्रीय हित में आवश्यक है।

भारतीय सेना ने सीमावर्ती चौकियों पर चीनी कब्जे के आरोपों को खारिज किया है। इसके बावजूद कुछ पारंपरिक गश्ती क्षेत्रों तक पहुंच बाधित होने की शिकायतें चिंता पैदा करती हैं। सीमा पर किसी चौकी का नियंत्रण सुरक्षित होना महत्वपूर्ण है, लेकिन निर्धारित क्षेत्रों में नियमित गश्त सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। वास्तविक नियंत्रण रेखा को लेकर दोनों देशों की धारणाओं में अंतर लंबे समय से विवाद का कारण रहा है। ऐसी परिस्थितियों में यदि एक पक्ष अपनी गतिविधियों के माध्यम से दूसरे पक्ष की गश्त को प्रभावित करता है, तो अविश्वास और तनाव बढ़ना स्वाभाविक है।

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक ने पुराने हथियारों और सैन्य ससाधनों के आधुनिकीकरण की आवश्यकता की ओर भी ध्यान दिलाया है। उनके अनुसार, सीमा सुरक्षा बल के पास कुछ हथियार लगभग पचास वर्ष पुराने हैं, जबकि चीन ने अपने सैन्य ढांचे और हथियारों के आधुनिकीकरण पर भारी निवेश किया है। यह स्थिति बताती है कि आधुनिक युद्ध की चुनौतियों का सामना करने के लिए केवल जवानों की बहादुरी पर्याप्त नहीं है। अत्याधुनिक हथियार, निगरानी प्रणाली, संचार सुविधाएं, सड़कें, पुल और दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचने के साधन भी उतने ही जरूरी हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को मजबूत करना भारत की सामरिक तैयारी का महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए।

भारत और चीन के बीच सीमा मामलों को लेकर सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर बातचीत जारी है। अगस्त में सीमा मामलों पर बैठक और बीजिंग में विशेष प्रतिनिधियों के बीच वार्ता के बाद सितंबर में पूर्वी सेक्टर में सैन्य कमांडर स्तर

की बातचीत भी हुई। इसके बावजूद तनाव का बने रहना बताता है कि केवल बैठकें आयोजित करना पर्याप्त नहीं है। बातचीत का वास्तविक परिणाम तभी सामने आएगा, जब सीमा पर शांति स्थापित हो, गश्त से जुड़ी समस्याओं का समाधान निकले और दोनों पक्ष निर्धारित व्यवस्थाओं का पालन करें। भारत को संवाद के रास्ते खुले रखने चाहिए, लेकिन किसी भी समझौते में राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं होना चाहिए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी स्पष्ट किया है कि यदि चीनी सैनिक निर्धारित गश्ती व्यवस्था से हटते हैं, तो सीमा पर शांति प्रभावित होती है और इसका असर द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ता है। वास्तविक नियंत्रण रेखा को लेकर आपसी समझ बेहतर बनाना और गलतफहमियों को दूर करना दोनों देशों के हित में है। हालांकि, समझ और विश्वास तभी टिकाऊ हो सकते हैं, जब उनका आधार पारदर्शिता, पारस्परिक सम्मान और जमीनी स्तर पर जिम्मेदार व्यवहार हो। भारत को अपने कूटनीतिक प्रयासों के साथ सैन्य तैयारियों को भी समान महत्व देना होगा।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री से सीमा की वास्तविक स्थिति देश और संसद के सामने स्पष्ट करने की मांग की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी चीन के प्रति सरकार की पूर्ववर्ती नीति पर सवाल उठाए हैं। लोकतंत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगना विपक्ष का अधिकार है। वहीं, ऐसे संवेदनशील विषय पर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बजाय तथ्यों और जिम्मेदार चर्चा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सीमा की स्थिति के बारे में देश को विश्वसनीय जानकारी मिलना आवश्यक है, ताकि जनता का भरोसा बना रहे और राष्ट्रीय सुरक्षा के विषय पर अनावश्यक भ्रम न फैले।

लद्दाख में गलवान घाटी की घटना और डोकलाम में हुआ गतिरोध भारत को यह याद दिलाते हैं कि चीन के साथ सीमा विवाद को हल्के में नहीं लिया जा सकता। इन घटनाओं ने स्पष्ट किया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में छोटी-सी चूक भी गंभीर परिस्थितियां पैदा कर सकती है। पाकिस्तान और चीन के



बीच बढ़ते सामरिक सहयोग को देखते हुए भारत को अपनी सुरक्षा रणनीति व्यापक दृष्टिकोण से तैयार करनी होगी। दोनों देशों की चुनौतियां अलग-अलग हैं, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के मोर्चे पर भारत को हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना होगा।

चीन के साथ संबंधों में स्थिरता भारत के हित में है, मगर स्थिरता का आधार एकतरफा भरोसा नहीं हो सकता। भारत को शांति की पहल जारी रखते हुए सीमाओं की सुरक्षा, सैन्य आधुनिकीकरण और कूटनीतिक दृढ़ता पर ध्यान देना चाहिए। सीमा पर तैनात जवानों को पर्याप्त ससाधन उपलब्ध कराने के साथ उनकी आवश्यकताओं का समय पर समाधान होना चाहिए। चीन की गतिविधियों पर सतत निगरानी और किसी भी परिस्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया देने की क्षमता भारत की प्राथमिकता होनी चाहिए।

राष्ट्रीय सुरक्षा किसी एक राजनीतिक दल का विषय नहीं, बल्कि पूरे देश की सामूहिक जिम्मेदारी है। सरकार, विपक्ष और सुरक्षा संस्थानों के बीच समन्वय इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। चीन के साथ संवाद जारी रहना चाहिए, लेकिन भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता सर्वोपरि रहनी चाहिए। विस्तारवादी सोच के सामने सतर्कता, दृढ़ता और सामरिक तैयारी ही प्रभावी उतर हैं। भारत को ऐसा संतुलन बनाना होगा, जिसमें शांति की संभावनाएं भी बनीं रहें और सीमा की सुरक्षा को लेकर किसी प्रकार की कमजोरी भी दिखाई न दे।

शरद पूर्णिमा पर पन्ना में रातभर चला महारास!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

मध्यप्रदेश का पन्ना शहर केवल हीरे के लिए ही प्रसिद्ध नहीं है,बल्कि यह उस अप्रिमत महारास के लिए भी प्रसिद्ध है,जो द्वापर युग से आज तक रहा है। प्रतिवर्ष पन्ना में अंतर्राष्ट्रीय शरद पूर्णिमा महोत्सव का होता है। शरद पूर्णिमा की मध्यरात्रि में बंगलाजी से श्रीजी की सवारी ब्रह्म चवतुरे में लाई जाती है। रातभर महारास का उल्लास चलता है, ब्रह्म चवतुरे में पांच दिनों तक यह सवारी रुकती है। इस दौरान पांच दिन तक गरबा के साथ साथ विविध धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते है । शरद पूनम की चांदनी रात में यहां के प्राणनाथ मंदिर का सौंदर्य देखते ही मनमोहक हो जाता है। जब पूरा चांद खिला हो,तभी ब्रह्म चवतुरे पर बने बंगलाजी मंदिर से श्रीजी की सवारी को हजारों सुन्दरसाथ नाचते-गाते, गरबा खेलते हुए रासमंडल में पधारते है। इस अवसर पर प्रणामी धर्मावलंबी रास उत्सव का आनंद लेते हुए भक्ति रस के अमृत का पान करते है। महोत्सव में देश-विदेश से करीब एक लाख सुंदरसाथ यानि श्रद्धालु आते हैं। महामति प्राणनाथ ने संवत् 1740 में खेजड़ा मंदिर परिसर में बुंदेलखंड की रक्षा के लिए महाराजा छत्रसाल को विजयादशमी के दिन वरदानी तलवार सौंपी थी और वीरा उठाकर संकल्प कराया था कि जब तक जीतकर नहीं आओगे तब तक मैं यहीं ठहरूंगा। परिणाम यह रहा कि महाराजा छत्रसाल ने पूरे बुन्देलखंड पर विजय प्राप्त कर ली और अपना साम्राज्य स्थापित कर पन्ना को राजधानी बनाया था।उन्होंने औरंगजेब के सरदारों को धूल चटा दी थी।इस संदर्भ में तेरस की सवारी का आयोजन पहली बार बुंदेलखंड केसरी महाराजा छत्रसाल ने किया था। सद्गुरु के सम्मान की प्रतीक इस सवारी को लेकर मान्यता है कि जब बुंदेलखंड को चारों तरफ से औरंगजेब के सरदारों ने घेर लिया था तब महामति प्राणनाथ ने महाराजा छत्रसाल को अपनी चमत्कारी दिव्य तलवार देकर विजयश्री का आशीर्वाद देते

हुए कहा था कि हे राजन! जब तक तुम अपने दुश्मनों को धूल चटाकर नहीं आ जाते तब तक मैं इसी खेजड़ा मंदिर में ही रुकूंगा। तेरस को जब महाराजा छत्रसाल अपने दुश्मनों पर विजयश्री पाकर कर लौटे तो सद्गुरुमहामति प्राणनाथ को पालकी में बिठाकर अपने कंधों का सहारा देकर प्राणनाथ मंदिर स्थित गुम्फ बंगला (जिसे ब्रह्म चवतुरा भी कहते हैं) लाए थे।प्राणनाथ गुंबट बंगला में अपने 5 हजार सुंदरसाथ के साथ ठहरे थे। उस समय वे पूर्णिमा की चांदनी रात में सुंदरसाथ के साथ श्रीकृष्ण द्वारा ग्वाल-ग्वालियों के साथ खेले जाने वाले महारास की चर्चा कर रहे थे। इसी दौरान उनके साथ आए सुंदरसाथ ने महामति प्राणनाथ से अखंड महारास का अनुभव कराने का निवेदन किया। तब पूनम की आधी रात शुरू होने वाली थी। इस पर महामति प्राणनाथ ने पांच हजार सुंदरसाथ के साथ महारास खेलना शुरू किया। यह महारास पांच दिन तक बिना रुके, बिना थके चलता रहा। जिसे द्वापर युग के बाद सबसे बड़ा रास कहा जाता है।तभी से यह महारास हर साल यहां मनाया जा जाता है।पवित्र नगरी पन्ना में अंतर्राष्ट्रीय शरद पूर्णिमा महोत्सव के आयोजन को 400 साल पूरे हो चुके हैं। बताया जाता है कि शरद पूर्णिमा महोत्सव का पहला कार्यक्रम संवत् 1740 में हुआ था। तब महामति प्राणनाथ ने 5 हजार सुंदरसाथ के साथ पूनम की चांदनी रात में अखंड रास के दर्शन कराये थे। चार सौ साल के लंबे सफर में यह महोत्सव नित नई उचाइयों को छूता जा रहा है। अब भारत के अलावा, ब्रिटेन, कनाडा और अमेरिका सहित विश्व के कई देशों से सुंदरसाथ पन्ना पहुंचते हैं। मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी दया कृष्ण दुबे व प्रेम प्रकाश शर्मा ने बताया कि वर्ष 1971 में मंदिर में ढाई कूंतल सोने का कलश चढ़ाया गया था। उस साल सबसे अधिक श्रद्धालु मुक्तिधाम में पहुंचे थे। लेकिन अभी भी प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ जिन्हें सुन्दरसाथ कहते है,जुटती है,हालांकि लोगों की संख्या के हिसाब से उनके ठहरने व खाने पीने की समुचित व्यवस्था पूरी तरह से नहीं हो पाती।

शरद पूर्णिमा पर पूरे शहर में श्रद्धालु ही श्रद्धालु नजर आते है। स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी कार्यालयों आदि की छुट्टी कर दी जाती है और सभी जगह ,यहां तक कि लोगों के घरों में भी श्रद्धालुओं को रुकवाया है। तब कोई भी सरकारी भवन ऐसा नहीं बचता जहां श्रद्धालुओं को नहीं रुकवाया गया हो।पन्ना में प्राणनाथ मंदिर ट्रस्ट की स्थापना वर्ष 1961 में लाली शर्मा के प्रयासों से हुई थी। तब वे ट्रस्ट के वाइस चेयरमैन बने थे। इसके बाद प्राणनाथ ट्रस्ट ही गुंबटजी, बंगलाजी, गुरु मंदिर, बाईजू राज मंदिर, खेजड़ा मंदिर और चौपड़ा मंदिर आदि का रख-रखाव कर रहा है। जब ट्रस्ट नहीं था तब यहां आयोजन में आने वाले लोगों के लिए हर प्रकार की व्यवस्था करने में काफी परेशानी होती थी। ट्रस्ट बनने के बाद व्यवस्थाओं में थोड़ा सुधार हुआ है। श्रद्धालुओं के लिए ट्रस्ट की ओर से आवास व्यवस्था का विस्तार किया गया है। यहां आने वाले ज्यादातर श्रद्धालुओं को ट्रस्ट अपने धर्मशालाओं, आवास गृहों आदि में ठहराता है। यहां चलने वाले भंडारे में हर दिन हजारों लोग प्रसाद ग्रहण करते हैं। देश के विभिन्न प्रांतों सहित विदेश से आए हुए श्रद्धालु सर्वप्रथम पन्ना नगर के धाम मोहल्ला स्थित श्री प्राणनाथ जी मंदिर,श्री गुम्फ्ट जी मंदिर, श्री बांग्ला जी मंदिर, श्री सद्गुरु श्रीधनी दास मंदिर, श्री देव चंद जी मंदिर,श्री बाईजू राज (राधिका मंदिर) में पूरी श्रद्धा के साथ शीश नवाते हुए धूमधाम से परिक्रमा शुरू करते हैं।यहां भक्तों का मानना है कि इस परिक्रमा से उनको एक सुखद अनुभूति एवं शांति मिलती है।

प्रणामी संप्रदाय के संरक्षक प्रणेता महामति श्री प्राणनाथ जी ने लगभग 397 वर्ष पहले इस परिक्रमा की शुरुआत की थी, जो आज तक भी अनवरत रूप से जारी है और आगे भी रहेगी,ऐसा मंदिर ट्रस्टियों का विश्वास है।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

दिव्यता के दिव्यांग

जापान के आईवी-नागोया में संपन्न पैरा एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने नया इतिहास रचा है। अब तक हुए पैरा एशियन खेलों में हमारे खिलाड़ियों का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में तीस स्पर्ध में पैंतीस रजत पदकों समेत कुल 114 पदक भारत की झोली में डाले। जबकि 2023 के पैरा एशियन गेम्स में एक बड़े दल ने 108 मेडल ही जीते थे। इस बार के खिलाड़ियों का दल पिछले के मुकाबले छोटा था, मगर उपलब्धियां बड़ी रही। एक ओर जहां जापान में संपन्न एशियाई खेलों में भारतीय दल पांचवें स्थान पर रहा था, वहीं पैरा खिलाड़ियों की कामयाबी ने देश को एशिया में चौथे नंबर का विजेता बनाया है। आईवी-नागोया में संपन्न खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने कई नए रिकॉर्ड बनाये और कई पुराने रिकॉर्ड तोड़े हैं। जापान में पहली बार आयोजित इन खेलों में एशिया के 45 देशों व क्षेत्रों के चार हजार खिलाड़ी व कोच आदि शामिल थे। इन खेलों का पहला संस्करण वर्ष 2010 में चीन के ग्वांगझू में आयोजित हुआ था। निश्चय ही भारतीय खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत, लगन व आत्मविश्वास से यह असामान्य कामयाबी हासिल की है। इन खिलाड़ियों की यह सफलता हर किसी भारतीय के लिये प्रेरणादायक है कि किसी भी तरह की शारीरिक अपूर्णता हमारे इरादों को कमजोर नहीं कर सकती है। हमें हर चुनौती में सकारात्मक रहते हुए अपने लक्ष्य हासिल करने चाहिए। हम बड़े सपने देख सकते हैं और कड़ी मेहनत व लगन से उन्हें हकीकत में बदल सकते हैं। आईवी-नागोया में संपन्न पैरा एशियाइड खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने हर क्षेत्र में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करवायी है। पैरा एथलेटिक्स खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा। जिसमें कुल पैंसट पदक जीते गए। इसके अलावा पदकों के अनुपात में यह कामयाबी बैडमिंटन, तैराकी और तीरंदाजी में रही। वहीं निशानेबाजी,टेबल-टैनिंस, जूडो और पावरलिफ्टिंग में भी हमने पदक जीते। इन्हीं कामयाबियों से हम अब तक के पैरा एशियन गेम्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में कामयाब रहे। कल्पना की जा सकती है कि हमारे पैरा खिलाड़ियों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिये कितनी मेहनत की होगी। एक तो विभिन्न किस्म की शारीरिक चुनौतियों व अपूर्णताओं से जुझना और फिर एशिया स्तर तक के मुकाबले के लिये योग्यता हासिल करना। कहावत है कि ‘सुबह जिसकी हुई, वह सचमुच सारी रात नहीं सोया होगा।’ कहने का अभिप्राय यह है कि जब किसी व्यक्ति को कोई सफलता मिलती है तो उसके पीछे उसका लंबा त्याग, संघर्ष और मेहनत शामिल होती है। खासकर उस समाज में जहां दिव्यांगों को हेय भाव से देखा जाता है। हमारा सामाजिक ढांचा अब तक ऐसा नहीं बन पाया है, जिसमें दिव्यांगों का जीवन सहज-सरल हो सके। हम उनके जीवन को सहज बना सकने वाली सुविधाएं, उन्हें अब तक उपलब्ध नहीं करा पाए। देश के हर छोटे-बड़े शहर में ऐसी खेल सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए, जहां पैरा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को निखार सकें। साथ ही सरकार को इन खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार देने के बजाय ऐसे अवसर उपलब्ध कराने चाहिए, जिससे उनका शेष जीवन सुखमय-सुविधामय हो सके।



मानहानि के मुकदमे में राहुल गांधी बरी, भाजपा की रणनीति पर सवाल

विचार मंथन

(लेखक- सनत जैन)

- जिसे पप्पू बताकर मजाक उड़ाया, वही मुकाबले में

उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए अदालत से राहुल गांधी को मानहानि के मामले में राहत मिलना, भारतीय जनता पार्टी की राजनीतिक रणनीति पर सवाल खड़े करता है। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी से जुड़े इस मामले में जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता विजय मिश्रा ने 4 अगस्त 2018 को शिकायत दर्ज कराई थी। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान दिए गए भाषण से जुड़े इस प्रकरण में राहुल गांधी लंबे समय से कानूनी लड़ाई लड़ रहे थे। अदालत के फैसले ने एक बार फिर

यह बहस तेज कर दी है, राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ मानहानि एवं अन्य मुकदमों का इस्तेमाल, आखिर किस हद तक और कितने समय तक राजनीतिक लाभ दे सकता है? राहुल गांधी के खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों में कई मामले दर्ज हुए। पुणे में सावरकर के परपोते द्वारा दायर मानहानि का मामला भी चर्चित है। राहुल गांधी ने दर्ज मामलों में माफी मांगने के बजाय कानूनी लड़ाई लड़ने का रास्ता चुना। गुजरात की एक अदालत से दो साल की सजा मिलने के बाद उनकी लोकसभा सदस्यता चली गई थी। उन्हें सरकारी बंगला खाली करना पड़ा था। बाद में सुप्रीम कोर्ट से सजा पर रोक मिलने के बाद उनकी सदस्यता बहाल हुई।

इन घटनाओं ने राहुल गांधी को राजनीतिक

संघर्ष के लिए नई ताकत दे दी। 2014 से 2019 के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता चरम पर थी। भाजपा ने अच्छे दिन, रोजगार, विकास और बेहतर जीवन के बड़े-बड़े वादे किए। समय के साथ इन वादों के क्रियान्वयन, बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक चुनौतियों को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। दूसरी ओर, राहुल गांधी ने पिछले कुछ वर्षों में संसद से लेकर सड़कों तक सरकार को चुनौती दी जा रही है। भारत जोड़ो यात्रा और जनहित के मुद्दों पर उनकी सक्रियता ने उनकी राजनीतिक छवि को पूरी तरह से बदलने का काम किया है। जिस नेता को भाजपा के समर्थक लंबे समय तक पप्पू कहकर उपहास का विषय बनाते रहे, वही अब विपक्ष के प्रमुख चेहरे के रूप में प्रधानमंत्री

मोदी को सशक्त चुनौती दे रहा है। विरोधियों पर लगातार निशाना साधने की रणनीति समय के साथ उलटा असर भी डालती है। मुकदमों और राजनीतिक हमलों के बीच राहुल गांधी की सक्रियता ने उनके समर्थकों के साथ-साथ कुछ अन्य वर्गों में राहुल गांधी के प्रति सहानुभूति एवं सशक्त नेता की छवि बना दी है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर देश में बहस चल रही है। इससे लगभग 40 करोड़ मतदाता प्रभावित हुए हैं, जिन्हें मतदाता सूची में नाम बनाए रखने के लिए चुनाव आयोग के दफ्तर में बार-बार चक्कर काटने पड़े हैं। मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र के लिए आवश्यक है, लेकिन प्रक्रिया में पारदर्शिता, दस्तावेजों की जांच और पात्र मतदाताओं के अधिकारों की

रक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। इस प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर उठ रहे सवालों ने सरकार भाजपा और चुनाव आयोग की निष्पक्षता और उनकी लोकप्रियता पर गहरा आघात किया है। युवा पीढ़ी, विशेषकर जेनरेशन जेड, अब राजनीतिक दावों को आंख मूंदकर स्वीकार करने के बजाय सवाल पूछ रही है। धार्मिक ध्रुवीकरण को पूरी तरह से नकार रही है। राजगार, शिक्षा, महंगाई और नागरिक अधिकारों को लेकर समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रियता सरकार और भाजपा के लिए नई चुनौती बन गई है। भाजपा को यह समझाना होगा, हर राजनीतिक विवाद को भावनात्मक मुद्दा बनाकर

या विरोधियों पर व्यक्तिगत हमले करके हमेशा चुनावी लाभ नहीं पाया जा सकता है। लोकतंत्र में जनता का विश्वास काम, जवाबदेही और विश्वसनीयता से बनता है। जिस दांव से पहलवान एक बार जीतता है, जरूरी नहीं कि हर बार उसी दांव से जीत हासिल करे। सामने वाला पहलवान भी दांव-पेच पसचानकर अपनी रणनीति बदलता है। राहुल गांधी की राजनीतिक चुनौती को केवल उपहास या मुकदमों के नजरिये से देखना भाजपा की बड़ी भूल हो सकती है। बदलते राजनीतिक माहौल में भाजपा को अपनी रणनीति पर नए सिरे से विचार करना होगा। अन्यथा, जिस राजनीति से विरोधियों को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है, वही राजनीति विपक्ष को मजबूत बना रही है।

दफ्तर में खान-पान का रखें विशेष ध्यान

आज के इस बदलते परिवेश में जहां हर महिला, पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। वहीं दूसरी ओर इस वजह से वह कई बीमारियों के चपेट में भी लगातार आती जा रही है। आज हर महिला और पुरुष को जीवन ज्यादातर दफ्तर में ही बीतता है। शायद यही कारण है कि दफ्तर का व्यस्त शेड्यूल, शिफ्ट ड्यूटी और काम का बहुत ज्यादा दबाव आपके मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ शारीरिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालता है। ऐसे में दफ्तर के दौरान खान-पान का सही ख्याल आपको स्वस्थ रखने में मदद कर सकता है, आइए जानते हैं दफ्तर में क्या खाएं और क्या ना खाएं।

कैसा हो आहार
दफ्तर में आपकी प्राथमिकता काम है न की आपका आहार, इसलिए आपका आहार ऐसा होना चाहिए, जो आपको ताकत दे, न कि ऐसा, जिसे खाकर आपको नींद आए। दफ्तर में लंच के दौरान अपनी प्लेट को न भरें। सही माता में संपूर्ण आहार लें। साथ ही दफ्तर में लंच कभी भी छोड़ें नहीं। ऐसा करने से आपका ध्यान काम पर नहीं, बल्कि खाने पर ही लगा रहेगा।

अपने आहार में इन बातों का ध्यान रखें:
भोजन में सलाद जरूर लें, शरीर में ऑक्सीजन की कमी की समस्या से बचने के लिए भोजन में ज्यादा से ज्यादा सलाद का प्रयोग करें। सलाद और अंकुरित अनाज हल्का आहार होता है, जिसका सेवन आपको नींद से दूर रखता है और दफ्तर में काम के दौरान आपको सक्रिय भी रखता है।

शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है दही

दही के रोजाना सेवन से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। दही के बैक्टीरिया तथा पोषक तत्व शरीर के लिए एंटीबायोटिक का कार्य करते हैं और रोगाणुओं से लड़ने की क्षमता भी बढ़ाते हैं। इससे आप बीमारियों से दूर रहते हैं।

ताजे फल रखेंगे आपको तराताजा

ताजे फल न केवल आपको तराताजा रखते हैं, बल्कि आपकी सेहत को फिट भी रखते हैं। ताजे फलों का सेवन आपके दिन को बेहतर बनाता है। दफ्तर में छोटे से ब्रेक के दौरान एक फल का सेवन आपको स्वस्थ रखता है और काम को ऊर्जा से भर देता है।

नाइट शिफ्ट में रखें इन बातों का ध्यान
रात के वक्त बिना मिर्च-मसाले के आहार का सेवन करें, इससे अल्सर, कब्ज, एसिडिटी जैसी समस्याओं से दूर रहेंगे।

नाइट शिफ्ट के दौरान एल्कोहल और सिगरेट का सेवन न करें।

रात में काम के दौरान खुद को रिलेक्स करने के लिए संगीत सुनें और मेडिटेशन करें।

नियंत्रित रखती है ग्रीन टी

इसके सेवन से कई बीमारियों पर नियंत्रण किया जा सकता है। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। ग्रीन टी में एमीनो एसिड होता है, जो एंजाइमी और स्ट्रेस से छुटकारा दिलाने में सहायक होता है। दफ्तर में जब भी मौका मिले ग्रीन टी जरूर पिएं।

कार्बोहाइड्रेट कम फाइबर ज्यादा
फाइबरयुक्त आहार जैसे साबुत अनाज ब्रेन न्यूट्रोटांसमीटर सेरोटोनिन के उत्पाद को बढ़ाता है, जो आपके सोचने-समझने की शक्ति को बढ़ाता है और तनाव को कम करने में मदद करता है। हरी, पीली और नारंगी रंग की सब्जियों में मिनरल्स, विटामिन और फाइटोकैमिकल्स होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं। जबकि कार्बोहाइड्रेट के सेवन से आपको नींद आती है, इसलिए

दफ्तर में ज्यादा रोटी और चावल का सेवन न करें।

स्मॉकिंग के बाद सौंफ जरूर खाएं

स्मॉकिंग आपके स्वास्थ्य और काम, दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है, इसलिए काम के दौरान स्मॉकिंग से बचने के लिए मुंह में इलायची या सौंफ रखें।

इससे आपकी स्मॉकिंग भी कम होगी और ये चीजें आपको नुकसान भी नहीं देंगी।

पानी ज्यादा पीएं
दिन भर में जितना हो सके उतना पानी पिएं, क्योंकि आप अंदर से हाइड्रेट रहेंगे तो ताजगी भरा महसूस करेंगे और आपको तनाव के कारण सिरदर्द जैसी परेशानियां भी नहीं होंगी। भरपूर मात्रा में पानी पीने से आपका सिस्टम साफ रहता है और आप तनाव से कोसों दूर रहते हैं। नींबू पानी, नारियल पानी और ताजे फलों के रस का भी सेवन कर सकते हैं।



काजल से बनाएं आंखों को खूबसूरत

अक्सर लोग किसी महिला की खूबसूरती बयां करते वक्त उसकी गमगीन आंखें जरूर देखते हैं और हर खूबसूरत आंखें लोगों को विशेष तौर पर आकर्षित करती है। तो यह जरूरी है कि आप अपनी त्वचा के साथ-साथ अपनी आंखों पर भी विशेष तौर पर ध्यान दें। आंखों की खूबसूरती के लिए काजल और आईलाइनर आज मेकअप का अहम हिस्सा बन गए हैं। लेकिन इस पर भी वक्त की मार पड़ी है। जिसके साथ-साथ काजल के रूप भी बदल गए हैं। आपकी आंखों को खूबसूरत है और उनकी खूबसूरती में और इजाफा आप काजल और आईलाइनर से कर सकती है। कैसे चुनें अपना आई मेकअप और इस्तेमाल के दौरान किन बातों का ध्यान रखें, आइए जानते हैं।

पेंसिल और रैक्टेबल आईलाइनर: ये सबसे कॉमन और ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाले आईलाइनर और काजल हैं। इन्हें प्रयोग करना भी बेहद आसान है, इसलिए युवतियों को ये ज्यादा पसंद आते हैं। आसानी से इन्हें आंखों के अंदर से बाहर की तरफ लगाया जा सकता है। पेंसिल की मदद से आप किसी भी तरह का आकर्षक मेकअप कर सकती हैं।

जेल: अगर काजल की कोई भी स्टाइल ढूंढ रही हैं तो जेल सबसे बढ़िया विकल्प हो सकता है। यह बेहद स्मूद व हल्का होता है। काजल लगाते समय आपसे गड़बड़ी भी हो गई तो इस काजल के साथ आसानी से उसे मैनेज कर सकती हैं। जेल काजल की मदद से आई मेकअप में तमाम तरह के प्रयोग कर सकती हैं।

लिक्विड: मेकअप के कुछ बेहतरीन तरीके बीसवीं-

चालीसवीं सदी से प्रेरित होकर अभी तक चलन में हैं। बाकी सभी काजलों की तुलना में यह बहुत साधारण है। इसे लगाने में बहुत कम समय लगता है, इसलिए महिलाओं में इसे ज्यादा पसंद किया जाता है।

क्रीम: क्रीमी काजल और आईलाइनर का कोई जवाब ही नहीं है। यह काजल आंखों की प्राकृतिक खूबसूरती को और निखारता है। आंखों पर लगाने के साथ ही यह काजल सूख जाता है और आंखों की खूबसूरती बढ़ा देता है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह काजल ढेरो रंग व वेरायटी के साथ बाजार में मौजूद है।

काजल: आंखों को सजाने का यह सबसे पुराना और सस्ता साधन है। यह केवल आंखों को ही नहीं सजाता, बल्कि आपकी आंखों को कई तरह के इफेक्शन से भी बचाता है।

कोल: यह काजल पेंसिल व रैक्टेबल आईलाइनर के समान ही है। इन दोनों के मुकाबले यह थोड़ा ज्यादा गाढ़ा व क्रीमी है। गाढ़ा होने के कारण आंखों का सबसे सुंदर मेकअप इसी काजल से निखर कर आता है। कोल काजल आंखों की दोनों वॉटरलाइनों पर आउटलाइन करने के लिए भी सबसे अच्छा माना जाता है।

सावधानी जरूर बरतें
बाजार में इन दिनों काजल व आईलाइनर्स की ढेरों वेराइटी और ब्रांड मौजूद हैं, लेकिन आपको अपने ऊपर फबने वाला एक बेहतरीन क्वालिटी का आईलाइनर और काजल पसंद करना है। इन दिनों ब्रांड के नाम पर घटिया व नकली काजलों की भरमार है। ज्यादा पुराना काजल कतई इस्तेमाल न करें।



अच्छी सेहत के लिए जरूरी है पौष्टिक आहार

अक्सर यह देखा जाता है कि कई लोग कितना भी खा लें उनकी सेहत पर जरा भी असर नहीं पड़ता और कई लोग अपनी सेहत में अंतर लाने के लिए तरह-तरह के उपाय करते रहते हैं। लेकिन हम कभी भी यह नहीं सोचते कि जिसका हम प्रतिदिन सेवन करते हैं, उसमें पौष्टिकता कितनी है। आइए कुछ रोचक तथ्यों पर नजर डालें जो हमारे भोजन की पौष्टिकता और स्वाद दोनों को ही सम्पूर्ण मात्रा में बढ़ा सकते हैं। सेहत और सुंदरता दोनों के लिए यह जानकारियां उपयोगी हैं-

क्या आप जानते हैं, खाने-पीने की चीजों में शुगर की कितनी मात्रा होनी चाहिए। आप यह जान लें कि 200 मिली कोला में लगभग 22 ग्राम शर्करा होती है, जबकि इतनी ही चॉकलेट सोया मिल्क में 10 ग्राम शर्करा होती है। मार्केट में मौजूद स्पोर्ट्स ड्रिंक के 200 मिली कप में 21 ग्राम शर्करा होती है। इंस्टेंट शुगर से मीठी चाय की 200 मिली मात्रा में 21 ग्राम शर्करा होती है।

महिलाएं अक्सर घर के कामकाज में अपना सुबह का नाश्ता भूल जाती हैं। ऐसा करना ठीक नहीं है। जो लोग सुबह का नाश्ता नहीं करने की रूटीन बना लेते हैं, उनमें टाइप-2 डायबिटीज की आशंका अधिक हो जाती है।

खाना बनाने समय कुछ बातों का ख्याल रखें। मीठ को धीमे-धीमे और कम आंच पर पकाएं। कोशिश करें कि स्टीम करके पकाई जाने वाली चीजों को फ्राई या ग्रिल नहीं करें। डाइट संबंधित ऐसे टिप्स आपको जवां रखने में मददगार होंगे।

नाश्ते में साबुत अनाज को जरूर शामिल करें। इसमें पोलीफिनॉल नामक एंटी ऑक्सीडेंट काफी मात्रा में होता है।

पॉपकॉर्न को इस मामले में काफी स्मार्ट माना जा सकता है। इसमें दूसरे प्रोसेस्ड स्नैक्स जैसे चिप्स की तुलना में 5 गुना अधिक एंटी ऑक्सीडेंट पाया जाता है।

अलसी में घुलनशील और अघुलनशील 2 तरह के फाइबर होते हैं। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड भी होता है। इसे खाने में कई तरह से प्रयोग करें। इसे फलों के स्मूदी में मिक्स करके पिएं या पकी सब्जियों में डालकर बनाएं। आटे में मिलाकर इसकी रोटियां भी बना सकती हैं।

शहर के अच्छे-अच्छे स्टोर्स में सोया मिल्क आसानी से मिल जाता है। यह फ्लेवर वाला और बिना फ्लेवर के भी मिलता है। अगर आप प्रिजर्वेटिवरहित सोया मिल्क को अपने खाने में शामिल करना चाहती हैं, तो सोया को रातभर के लिए पानी में भिगोएं। दूसरे दिन इसे ग्राइंड करके इसका दूध निकाल लें। एक गिलास सोया मिल्क में प्रोटीन की मात्रा लगभग उतनी ही होती है, जितनी कि एक गिलास गाय के दूध में होती है। 200 मिली सोया मिल्क में 80 कैलोरी और लगभग 6.6 ग्राम प्रोटीन होता है।

अमेरिका मध्यावधि चुनाव: गैर-अमेरिकी मतदाताओं की पहचान पर गरमाई राजनीति, 20 हजार डाक मतपत्रों पर भी विवाद

अल्बानी, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग ने कैलिफोर्निया की सभी काउंटियों के चुनाव अधिकारियों को पत्र भेजकर मतदाता सूची में शामिल संभावित गैर-अमेरिकी नागरिकों की पहचान करने और उनके डाक मतपत्र अलग रखने की मांग की है। शुक्रवार को भेजे गए इन पत्रों में चेतावनी दी गई है कि निर्देशों का पालन नहीं करने वाले अधिकारियों को संधीय स्तर पर कड़ी जांच का सामना करना पड़ सकता है। यह कार्रवाई 3 नवंबर को मध्यावधि चुनाव से करीब डेढ़ सप्ताह पहले की गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन देश के अलग-अलग राज्यों में गैर-अमेरिकी नागरिकों के मतदान की जांच के लिए अभियान चला रहा है। हालांकि, कई राज्यों में गैर-अमेरिकी नागरिकों के बड़े पैमाने पर मतदाता सूची में शामिल होने या मतदान करने के दावों पर सवाल उठे हैं। कैलिफोर्निया में चुनाव के लिए डाक मतपत्रों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है। पिछले सप्ताह ट्रंप प्रशासन ने कैलिफोर्निया के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। इसमें 20 हजार से अधिक डाक मतपत्रों की गिनती अस्थायी रूप से रोकने की मांग की गई थी।

इस्राइल चुनाव 2026: ईरान से गाजा तक सख्त सैन्य कार्रवाई के दम पर वोट मांग रहे नेतन्याहू, दांव पर सियासी साख

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल में 27 अक्टूबर को होने वाले चुनाव से पहले प्रधानमंत्री बेजागिन नेतन्याहू ने अपनी सियासी छवि बदलने की हरसंभव कोशिश की है। पहले खुद को सुरक्षा और स्थिरता का भरोसेमंद नेता बताते थे। अब सख्त सैन्य कार्रवाई व दुश्मनों के खिलाफ आक्रामक रुख को अपनी पहचान बना रहे हैं। दरअसल, चुनाव से पहले उनका लक्ष्य मतदाताओं को यह भरोसा दिलाना है कि देश की सुरक्षा के लिए उनसे बेहतर कोई विकल्प नहीं है। नेतन्याहू (77) इस्राइल में सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले नेता हैं। वे अपने राजनीतिक करियर को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे देश में समर्थन जुटा रहे हैं, जो युद्ध, राजनीतिक धुवीकरण और सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता से गुजर रहा है। दरअसल, 7 अक्टूबर 2023 को हम्रास के हमले ने नेतन्याहू की मिस्टर सिक्वोरिटी वाली छवि को बड़ा झटका दिया था। उसमें करीब 1,200 लोग मारे गए थे। हमले से पहले नेतन्याहू को ऐसे नेता के रूप में देखा जाता था, जो बड़े सैन्य टुकड़ों से बचते थे। उनकी सुरक्षा नीति सीमित अवधि के युद्ध और रक्षात्मक कार्रवाई पर केंद्रित थी। लेकिन 7 अक्टूबर के बाद उन्होंने अपना रुख बदल लिया। इस्राइल ने गाजा में हम्रास, लेबनान में हिजबुल्ला, यमन में हूती विद्रोहियों और अमेरिका के साथ मिलकर ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की। नेतन्याहू ने इसे दुश्मनों को कमजोर करने और इस्राइल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की रणनीति बताया।

कार्बन पर बदले बोल: अब गोयल ने कहा- पर्यावरण बचाने में यूरोप आगे, बिगाड़ने में सब जिम्मेदार नहीं

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। जलवायु बिगाड़ने का जिम्मेदार कौन है, ओजोन परत को किसने नुकसान पहुंचाया और आसमान में इतना कार्बन किसने भेजा बर्लिन ग्लोबल डायलॉग के मंच से बुधवार को एक यह तीखा सवाल उठाने वाले केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल शुक्रवार को यूरोप का शुक्रिया अदा करते दिखे। दौरे के समापन पर उन्होंने कहा कि कल जो कहा वह तथ्य था, पर यह भी सच है कि पर्यावरण के मामले में यूरोप बहुत से देशों से आगे है और भारत के साथ उसकी साझेदारी तेजी से बढ़ रही है। सवाल की धार और शुक्रिया की मिठास, बर्लिन में भारत की कूटनीति के दोनों रंग एक साथ दिखे। बुधस्पतिवार की चर्चा में जब गोयल ने पूछा कि कार्बन किसने भेजा, तो साथ बैठे एक वक्ता ने कहा, हम सभी ने। गोयल ने तुरंत टोका, नहीं, माफ कीजिए। उन्होंने याद दिलाया कि दुनिया की 17 फीसदी आबादी वाला भारत वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में तीन फीसदी की भी कम हिस्सेदार है। उन्होंने कहा कि 2015 के पेरिस समझौते में तय हुआ था कि दशकों तक जलवायु बिगाड़कर फल चखने वाले विकसित देश ज्यादा कीमत चुकाएं और विकासशील देशों की मदद करेंगे, पर 11 साल बाद भी एक पाई नहीं दिखी, सब वादे ही वादे हैं। गोयल ने कहा कि यूरोप ने सस्ती ऊर्जा के लिए दिन-रात कोयला जलाया, अपने विकास के लिए यह उनकी मजबूरी रही होगी, पर समस्या वहीं से शुरू हुई। शुक्रवार को सुरु संतुलित था। गोयल ने कहा कि पेरिस समझौते के बाद भारत ने अपने लक्ष्य समय से पहले पार किए हैं और यूरोप इसकी कद्र करता है।

अमेरिका ने किया हमला तो समुद्र के नीचे बिछी तारें काट देगा ईरान, दुनिया के लिए होगा कितना खतरनाक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच आठ महीने पहले शुरू हुआ संघर्ष फिलहाल थमा हुआ है। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव की आहट के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान पर फिर हमले की कोशिश नहीं हुई है। हालांकि, ट्रंप बार-बार तेहरान और उसके नेतृत्व को खत्म करने की धमकियां दे रहे हैं। नतीजतन जहां एक तरफ कच्चे तेल की कीमतें लगातार आसमान छू रही हैं, वहीं होमर्ज जलडमरूमध्य के जरिए होने वाली अरब संसाधनों की आपूर्ति भी थमी हुई है। अब इस बीच ईरान ने अमेरिका पर पलटवार किया है। ईरान ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका का एक और हमला होता

है तो उसने एक ऐसी योजना बनाई है, जिससे पूरी दुनिया के इंटरनेट पर अस्तर पड़ सकता है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि ईरान ने फारस की खाड़ी में अंडरसी केबल यानी समुद्र के नीचे बिछे संचार और इंटरनेट केबल्स को निशाना बनाने की विस्तृत योजना तैयार की है। केबल्स को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ ईरान हमलों के बाद उनकी मरम्मत की कोशिशों को भी रोकने की कोशिश करेगा, ताकि वैश्विक और क्षेत्रीय इंटरनेट व संचार में लंबे समय तक दिक्कतें बनी रहें। ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी मोहसिन रेजाई ने चेतावनी दी है कि खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिका से जुड़े

यूरोपीय देशों में आंदोलन: कई जगह भिड़े पुलिस, उग्र प्रदर्शनकारी; फ्रांस, इटली, स्पेन से ब्रसेल्स तक कैसा मंजर

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस समेत कईयूरोपीय देशों में युवाओं का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा। फ्रांस की राजधानी पेरिस व अन्य शहरों में शनिवार को युवाओं और श्रमिक संगठनों के आह्वान पर बड़ा प्रदर्शन किया गया। दिनभर प्रदर्शन आमतौर पर शांतिपूर्ण रहा लेकिन शाम होते-होते कईजगहों पर हिंसक घटनाएं हुईं। हालांकि, पिछले हफ्ते की तुलना में स्थिति अपेक्षाकृत शांत रही। उधर, इटली में पीएम जियाँजिया मेलनी के खिलाफ युवाओं का आक्रोश भड़क उठा है।

लायों की संख्या में सड़कों पर उतर आक्रोशित : फ्रांस के गृह मंत्रालय के अनुसार, देशभर में लगभग 4.1 लाख लोगों ने प्रदर्शनों में हिस्सा लिया वहीं, जनरल कन्फेडरेशन ऑफ लेबर (जीसीटी) यूनियन का दावा है कि यह संख्या करीब 8 लाख थी। फ्रांसीसी गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने बताया कि अब तक 135 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से कई तरह के हथियार जब्त किए गए हैं। इस बार कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए देशभर में 70,000 पुलिसकर्मियों के साथ-साथ हेलीकॉप्टर, बख़्तरबंद गाड़ियां और वॉटर कैन्नन तैनात किए गए थे।

रोम और मिलान में कैसा मंजर : इटली के मिलान में प्रदर्शनकारियों ने रात में प्रदर्शन किया। ज्यादातर युवा प्रदर्शनकारियों के हाथों में 'सरकार के झूठ को ना' जैसे बैनर देखे गए। प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने इटली के ऊर्जा नियामक के बाहर खाद फेंक



पर विरोध दर्ज करवाया। उन्होंने एक प्रतीकात्मक, बिजली बिल भी जलाया, जिसकी तस्वीरें स्थानीय टेलीविजन पर प्रसारित हुईं। फैशन के लिए मशहूर मिलान में ओमेगा, टिफ़नी और गुच्ची सहित कई लक्जरी बूटीक दुकानों को सामने की छिड़कियों को बंद करना पड़ा। एप्पल स्टोर भी बंद रहा। हालात सामान्य होने पर दूसरी दुकानें खुलीं लेकिन बड़े आंदोलन के दौरान उपद्रव करने वाले लोगों ने दुकानों में तोड़फोड़ की थी। उन्होंने शहर के केंद्रीय डुओमो चौक से निकलने वाली सड़कों पर स्पीकर्स, स्पीटर्स वियर और खेल के सामान को निशाना बनाया था।

रोम में प्रदर्शनों का स्वरूप कैसा रहा : इटली के ही रोम में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। अधिकारियों ने लक्जरी खरीदारी वाली सड़कों को बंद कर दिया। सर्कस मैक्सिमस और

गियाजा डेल पोपोलो के आसपास नियंत्रण बढ़ा दिए गए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने कोलोसियम में जबरन घुसने की कोशिश की, लेकिन गाड़ों ने उन्हें बाहर निकाल दिया। अन्य जगहों पर, कई सी छत्रों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। उन्होंने साफ किया कि उनके आंदोलन का मकसद उपद्रव, दंगा या तोड़फोड़ नहीं है। धुर-दक्षिणपंथी छत्र संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रिकार्डो पोंजियो ने कहा कि पिछले सप्ताह की तस्वीरें भयानक थीं। युवा पीढ़ी के अधिकांश छत्र पड़ाई करना चाहते हैं। उन लोगों से उनका सरोकार नहीं जो मुद्दों की आड़ में पूरे शहर को तबाह करने की मंशा रखते हैं। मध्य रोम में एक अलग युद्ध-विरोधी मार्च भी हुआ। आयोजकों ने संभावित अशांति से खुद को दूर रखने की कोशिश की। पुलिस ने आंसू गैस और वॉटर कैन्नन का सहारा लिया दक्षिण-पूर्वी शहर ल्योन में प्रदर्शनों पर रोक लगाई गई थी, लेकिन शहर के

केंद्र के पास लगभग 150 प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम करने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें हटाने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया। पश्चिमी शहर नांत में हजारों प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की बाड़ेबंदी को तोड़कर शहर के केंद्र में प्रवेश किया। पुलिस ने आंसू गैस और वॉटर कैन्नन का सहारा लिया। भीड़ में शामिल कुछ उपद्रवियों ने पुलिस पर पटाखे और पत्थर फेंके। अन्य शहरों में भी प्रदर्शन हुए और कई जगहों पर चेहरा ढँककर प्रदर्शन करने पर रोक के बावजूद नकाबपोश प्रदर्शनकारी उपद्रव मचाते दिखे।

दक्षिणपंथी रैली के विरोध में उतरे लोग : ऑरलियंस शहर में मरीन ले पेन की दक्षिणपंथी नेशनल रैली पार्टी के सम्मेलन के खिलाफ हजारों लोगों ने विरोध मार्च निकाला। ली पेन छह महीने बाद होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में इमैनुएल मैक्रों की जगह लेने के लिए अभियान की शुरुआत कर रही हैं और सर्वे बताते हैं कि वे दौड़ में सबसे आगे हैं। प्रदर्शनकारी मैक्रों और ली पेन दोनों का विरोध कर रहे थे। रिपोर्ट्स के अनुसार भीड़ नारे लगाए- मैक्रों इस्तीफा दी, ली पेन जेल जाओ। पुलिस ने ऑरलियंस में प्रदर्शनकारियों की संख्या 11,000 बताई, जबकि आयोजकों का दावा था कि 26,000 लोग मौजूद थे। मजदूर यूनियनों, वामपंथी दलों और छत्र संघों सहित लगभग 50 संगठनों ने ली पेन की प्रवासी-विरोधी नीति के खिलाफ इस प्रदर्शन का आह्वान किया था।

सऊदी और हूती विद्रोहियों के बीच संघर्ष तेज, रियाद समेत कई शहरों पर मिसाइल-ड्रोन हमले; सना में 8 की मौत

दुबई, एजेंसी। यमन में हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन के बीच संघर्ष तेज हो गया है। हूती लड़ाकों ने शनिवार को सऊदी अरब के कई शहरों में मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया। इसके जवाब में सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने यमन में हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाकों पर भीषण हवाई हमले किए। इन हमलों में कई लोगों के हताहत होने की खबर है।

हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने बयान जारी कर कहा कि संगठन ने शनिवार को सात मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इनका निशाना सऊदी अरब के रियाद, यानबू, खबीा, दम्माम, नजरान और खमीस मुशैत शहरों में स्थित एयरपोर्ट, तेल रिफाइनरी और एक सैन्य अड्डा थे। सरिया के मुताबिक, रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को दो चरणों में निशाना बनाया गया।



इसके अलावा यानबू में सऊदी अरामको के प्रतिष्ठानों और दम्माम में किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी हमले किए गए। **सऊदी गठबंधन ने कई मिसाइलें मार गिराने का किया दावा** : सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने कहा कि उसने हूती विद्रोहियों की ओर से रियाद, तारुफ और यानबू शहरों की तरफ दागी गई कई मिसाइलों को रोककर नष्ट

कर दिया। इसके अलावा पूर्वी प्रांत में एक ड्रोन को भी मार गिराया गया। सऊदी अरब के नागरिक सुरक्षा महानिदेशालय ने बताया कि रोकी गई दो मिसाइलों का मलबा मक्का और मदीना क्षेत्रों में गिरा। इसके बाद हूती संगठन ने इन दोनों पवित्र शहरों को निशाना बनाने के आरोपों से इनकार किया। संगठन ने इन दावों को 'झूठ और बेबुनियाद' बताया। हूती संगठन ने दावा किया कि शनिवार को किए गए हमले यमन में उसके नियंत्रण वाले इलाकों पर पिछले 24 घंटे में हुए करीब 100 सऊदी हवाई हमलों के जवाब में किए गए। संगठन के मुताबिक, इन हमलों में यमन की राजधानी सना और दक्षिण-पश्चिमी तारुज प्रांत के लाल सागर सिंध बंदरगाह शहर मोखा को भी निशाना बनाया गया। हूती लड़ाकों के नियंत्रण वाले अल-मसीरा टीवी ने हवाई हमलों



में कई लोगों के हताहत होने की खबर दी। रिपोर्ट के मुताबिक, सना प्रांत के हमदान जिले में सीमेंट फैक्टरी के कर्मचारियों के आवास पर हवाई हमला हुआ। इसमें आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 से अधिक लोग घायल हो गए। यमन में ऐसे समय हुए हैं, जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमन सरकार की सेनाओं ने सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के समर्थन से हूती लड़ाकों के खिलाफ अपना सैन्य अभियान तेज कर दिया है। इस अभियान को 'डॉन ऑफ यमन' नाम दिया गया है। इसके जवाब में हूती संगठन मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है। सरिया ने एक अलग बयान में दावा किया कि हूती बलों ने दक्षिणी बंदरगाह शहर अदन में अल-नस्र शिफर और एक नौसैनिक सैन्य अड्डे पर सऊदी समर्थित सैन्य जमावड़े को निशाना बनाया।

यूक्रेन ने किया स्टारलैंक की ताकत का गलत इस्तेमाल: मस्क के आरोप से मचा बवाल

कीव, एजेंसी। अमेरिकी उद्योगपति और स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क ने दावा किया है कि यूक्रेनी सेना स्टारलैंक का इस्तेमाल ऐसे ड्रोन हमलों के लिए कर रही थी, जिनका मकसद लोगों की जान लेना था। उन्होंने कहा कि यह स्टारलैंक की सेवा की शर्तों के खिलाफ है और इस सुविधा में मौजूद खामी को पिछले हफ्ते ही दूर कर दिया गया। मस्क के मुताबिक, स्टारलैंक एक व्यावसायिक सेवा है, जिसका इस्तेमाल इस तरह के हमलों के लिए नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन की रक्षा के लिए स्टारलैंक बेहद जरूरी है।

स्टारलैंक के इस्तेमाल पर मस्क ने उठाए सवाल : मस्क ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि स्टारलैंक को आम लोगों और संस्थानों की संचार जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया गया है। इसका इस्तेमाल आक्रामक ड्रोन हमलों में करना सही नहीं है। उनके अनुसार, यूक्रेनी सेना ने सेवा की शर्तों का उल्लंघन करते हुए इसका इस्तेमाल लोगों को मारने के लिए किया। मस्क ने दावा किया कि इस गड़बड़ी को पिछले सप्ताह ठीक कर दिया गया है।

स्टारलैंक और स्टारशील्ड में क्या है अंतर : मस्क ने स्टारलैंक और स्टारशील्ड को दो अलग-अलग व्यवस्थाएं बताया। उनके मुताबिक, स्टारलैंक एक व्यावसायिक सैटेलाइट इंटरनेट सेवा है, जबकि स्टारशील्ड अमेरिकी सरकार के नियंत्रण में काम करने वाला अलग सिस्टम है। उन्होंने कहा

कि स्टारशील्ड का इस्तेमाल किस तरह किया जाता है, यह अमेरिकी सरकार का फैसला है। मस्क की इस टिप्पणी के बीच दोनों प्रणालियों की भूमिका और सैन्य इस्तेमाल को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

यूक्रेन की रक्षा में स्टारलैंक की अहम भूमिका : मस्क ने यह भी कहा कि यूक्रेन की सुरक्षा के लिए स्टारलैंक बेहद महत्वपूर्ण है। उनके दावे के मुताबिक, फिलहाल यह ऐसा संचार माध्यम है, जिसे जाम करना या पूरी तरह नष्ट करना बेहद मुश्किल है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यूक्रेन में स्टारलैंक की सेवा बंद हो जाए, तो वहां की सेना की अग्रिम मोर्चों पर स्थिति तेजी से बिगड़ सकती है। मस्क ने यह भी याद दिलाया कि युद्ध के शुरुआती दिनों में रूस ने यूक्रेन के संचार नेटवर्क को निशाना बनाया था। ऐसे समय में स्टारलैंक ने यूक्रेन को आपसी संपर्क बनाए रखने में मदद की थी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष पर मस्क ने एक बार फिर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने उन लोगों की आलोचना की, जो युद्ध जारी रखने की बात करते हैं, लेकिन उसका व्यावहारिक समाधान नहीं बताते। मस्क ने कहा कि उन्हें ऐसे लोगों से सख्त नफरत है, जो लगातार खून-खराबे को बढ़ावा देते हैं। उनकी इस टिप्पणी से साफ है कि वह युद्ध को लेकर अपनी पुरानी विरोधी राय पर कायम हैं। मस्क ने शुक्रवार को एक और दावा करते हुए कहा कि रूस के खिलाफ लड़ाई में यूक्रेन की दो जा रही आर्थिक मदद का कुछ हिस्सा कथित तौर पर अलग-अलग माध्यमों से अमेरिका वापस पहुंचाया जा रहा है।

दिल्ली के नॉर्थ ब्लॉक की छत पर उठा धुआं, वेल्डिंग के दौरान एसी बॉयलर में लगी आग

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में केंद्रीय सचिवालय के नॉर्थ ब्लॉक की छत पर सोमवार सुबह अचानक धुआं उठने से अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दिल्ली अग्निशमन सेवा ने 6 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा। शुरुआती जानकारी के अनुसार, घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, सोमवार सुबह करीब 11:10 बजे नॉर्थ ब्लॉक से धुआं उठने की सूचना मिली थी। इसके बाद दमकलकर्मियों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आग बुझाने की कार्रवाई शुरू की। बताया जा रहा है कि इमारत की छत पर मरम्मत का काम चल रहा था। तभी वेल्डिंग करते समय शॉर्ट सर्किट होने से एसी बॉयलर में आग लग गई। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों की पुष्टि विस्तृत जांच के बाद ही हो सकेगी। आपातकालीन टीम ने समय रहते आग पर काबू पा लिया। नॉर्थ ब्लॉक में केंद्रीय गृह मंत्रालय और वित्त मंत्रालय सहित कई महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालय स्थित हैं। संसद भवन के नजदीक स्थित इस इमारत से धुआं उठने की सूचना के बाद संबंधित एजेंसियां सतर्क हो गईं। फिलहाल किसी के घायल होने या बड़े नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है। अधिकारियों की ओर से घटना से संबंधित विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

यूपी में भाजपा को रोकने के लिए विपक्ष से गठबंधन को तैयार ओवैसी

कैराना । ऑल इंडिया मजलिस-ए-इतेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में भाजपा को सता में आने से रोकने के साझा उद्देश्य के लिए अन्य विपक्षी दलों के साथ हाथ मिलाए को तैयार है। रविवार को शामली जिले के कैराना में जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वह योगी आदित्यनाथ को तीसरी बार प्रदेश का मुख्यमंत्री बनते नहीं देखना चाहते। सांसद ओवैसी ने कहा कि यदि अन्य विपक्षी दल भी भाजपा को सता से बाहर रखने के उद्देश्य से काम करना चाहते हैं, तो उनकी पार्टी सहयोग के लिए तैयार है। उन्होंने विपक्षी दलों पर अल्पसंख्यकों और समाज के कमजोर वर्गों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से नहीं उठाने का आरोप लगाया। एआईएमआईएम प्रमुख ने दावा किया कि प्रदेश में मस्जिदों को गिराए जाने और कथित 'हाफ एनकाउंटर' जैसी घटनाओं पर विपक्ष पर्याप्त आवाज नहीं उठा रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों को अल्पसंख्यकों और वंचित वर्गों की समस्याओं पर गंभीरता से काम करना चाहिए। ओवैसी के बयान को उत्तर प्रदेश में आगामी राजनीतिक समीकरणाओं के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, उन्होंने किसी दल के साथ गठबंधन को लेकर औपचारिक घोषणा नहीं की।

सुवेंदु ने सीजेपी पर साधा निशाना और बोले- लोग पीएम मोदी के साथ खड़े हों

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में खड़े होने की अपील की। उन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) पर निशाना साधते हुए उसे 'दिमागी नक्सल' और 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' जैसे शब्दों से संबोधित किया। अधिकारी की यह टिप्पणी सीजेपी पर उनके लगातार हमलों के बीच आई है। एक दिन पहले उन्होंने संगठन के कथित प्रभाव की तुलना कीटों और कोरोना वायरस के प्रसार से की थी। अधिकारी ने पूर्वी मेदिनीपुर जिले के रामनगर में एक कार्यक्रम के दौरान शैक्षणिक संस्थानों में राष्ट्रवाद की भावना विकसित करने के लिए हर साल भाषण, प्रश्नोत्तरी और वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित करने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को देश की संस्कृति और विरासत से जोड़ने के लिए ऐसे कार्यक्रम जरूरी हैं।

अगर हिम्मत है, तो राजनीतिक रूप से मुकाबला करो, हमें इस पर कोई आपत्ति नहीं -पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने बीजेपी और प्रशासनिक तंत्र पर लगाए गंभीर आरोप

कोलकाता, एजेंसी । पश्चिम बंगाल की राजनीति में तनाव एक बार फिर अपने चरम पर है। पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने बीजेपी और प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कोलकाता में बनर्जी ने कहा कि राज्य में पिछले कुछ दिनों से पुलिसिया अत्याचार और प्रशासनिक दबाव बढ़ गया है, जिसके जरिए टीएमसी कार्यकर्ताओं, विधायकों और सांसदों को डराया-धमकाया जा रहा है।

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों और सत्ताधारी खेमे के बीच एकतरफा माहौल बनाया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि कल से पुलिस का अत्याचार बहुत बढ़ गया है। आयोग ने हमसे सभी दस्तावेज जमा करने को कहा है। लोगों को जिलाधिकारियों, बीडीओ, थाना प्रभारियों और एस्पी के जरिए धमकाया जा रहा है। सरकार उन्हें कानूनी कागजात, स्टाम्प पेपर और नोटरीकृत हलफनामे मुहैया करा रही है,

संगरूर में रैली कर कांग्रेस का पंजाब में शुरु होगा चुनावी अभियान

-4 नवंबर को राहुल गांधी करेंगे रैली को संबोधित

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस पंजाब में अपने चुनावी अभियान की शुरुआत 4 नवंबर को संगरूर जिले में होने वाली राहुल गांधी की रैली से करेगी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव (संगठन) और सांसद केसी वेणुगोपाल ने चंडीगढ़ स्थित पंजाब कांग्रेस कार्यालय में संगठनात्मक समीक्षा बैठक के बाद घोषणा की। उन्होंने दावा किया कि पंजाब की जनता मौजूदा सरकार में बदलाव चाहती है और कांग्रेस को राज्य में सत्ता में वापसी का पूरा भरोसा है। कांग्रेस नेता वेणुगोपाल ने बताया कि बैठक में वरिष्ठ नेताओं, जिला कांग्रेस समितियों के अध्यक्षों, संभावित उम्मीदवारों, पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी



के अध्यक्ष और कांग्रेस विधायक दल के नेता सहित कई पदाधिकारियों से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि पार्टी का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना और चुनावी तैयारियों को गति देना है। पंजाब की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाकर वेणुगोपाल ने राज्य सरकार पर

निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ रही है और नशे के कारोबार ने गंभीर चुनौती पैदा कर दी है। उन्होंने हाल में हुई गोलीबारी की घटनाओं को दुर्भाग्यपूर्ण बताकर कहा कि सरकार का पुलिस प्रशासन पर

नियंत्रण कमजोर पड़ गया है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि पार्टी पंजाब को इन समस्याओं से बाहर निकालने और प्रदेश में शांति बहाल करने के लिए काम करेगी। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी का पंजाब के लोगों से गहरा जुड़ाव है और युवा वर्ग, खासकर जेनरेशन जेड, उनके विचारों से प्रभावित हो रहा है। उनके मुताबिक, 4 नवंबर की रैली में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस उत्तराखंड और गोवा की तरह पंजाब में भी संगठनात्मक मजबूती पर विशेष ध्यान दे रही है। पार्टी का लक्ष्य राज्य में जनसमर्थन बढ़ाकर सरकार बनाना है।

कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि देने से बचने वालों को पिछड़ों की बात करने का हक नहीं: अभिषेक दुबे

एटा, एजेंसी । उत्तरप्रदेश के भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक कृष्ण दुबे ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधकर परिवारवाद और तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने पूर्व



मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता कल्याण सिंह के निधन पर उनसे दूरी बनाई, उन्हें पिछड़े समाज के हितों की बात करने का नैतिक अधिकार नहीं है। बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता दुबे ने कहा कि सपा की राजनीति परिवारवाद और जातीय समीकरणों के इर्द-गिर्द घूमती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा के सत्ता में रहने के दौरान विकास कार्यों के बजाय अपने परिवार को मजबूत करने पर अधिक ध्यान दिया गया। दुबे ने कहा

कि सपा नेता पिछड़े वर्गों के हितों की बात करते हैं, लेकिन कल्याण सिंह के सम्मान और श्रद्धांजलि कार्यक्रमों से दूरी बनाने का उनका फैसला उनके दावों पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने भाजपा सरकार की नीतियों का उल्लेख कर कहा कि पार्टी 'सबका साथ, सबका विश्वास' के सिद्धांत पर काम कर रही है। भाजपा प्रवक्ता ने दावा किया कि वर्तमान सरकार सभी वर्गों के विकास और कल्याण के लिए योजनाएं चला रही है। उन्होंने सपा की राजनीति की आलोचना करते हुए कहा कि जनता अब परिवारवाद और तुष्टीकरण के बजाय विकास को प्राथमिकता दे रही है।

कांग्रेस-सपा के संस्कार ही गंदगी में रहने के हैं और गंदे कार्य करने की आदत है: सीएम योगी

लखनऊ, एजेंसी । यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाल्मीकि जयंती के अवसर पर कानपुर के बिटूर स्थित महर्षि वाल्मीकि आश्रम में पूजा-अर्चना की. इस दौरान उन्होंने नानाराव पेशवा पार्क में 411 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस अवसर पर योगी ने अयोध्या के विकास को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने अयोध्या के पुराने हालात का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के शासन में अयोध्या में सड़कों की स्थिति खराब थी, बिजली की व्यवस्था नहीं थी और गंदगी का माहौल था। सीएम ने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के संस्कार ही



गंदगी में रहने के हैं और गंदे कार्यों को करने की आदत है। उन्होंने कहा कि जब बीजेपी ने अयोध्या के विकास की कार्ययोजना तैयार की, तो विपक्षी दलों ने उसमें बाधाएं डालने का प्रयास किया। सीएम ने आरोप लगाया कि भगवान राम

का मंदिर बनाने, अयोध्या का विकास करने और वहां एयरपोर्ट का निर्माण करने के प्रयासों का भी विरोध किया गया। आज बड़ा पावन दिवस है, इस अवसर पर वह समस्त प्रदेशवासियों को अभिनंदन करते हैं। उन्होंने नारी सम्मान

पर जोर देते हुए कहा कि जहां नारी का सम्मान होता है, वह धरती तीर्थ बन जाती है। हर व्यक्ति भगवान राम से जुड़ा हुआ है और महर्षि वाल्मीकि प्रभु राम तक पहुंचने के माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने राम भक्तों की भावनाओं के अनुरूप अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर का निर्माण कराया है। सीएम ने कहा कि राम जन्मभूमि में भगवान रामलला के दर्शन के बाद श्रद्धालु महर्षि वाल्मीकि के मंदिर में भी नतमस्तक हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि अयोध्या में गोस्वामी तुलसीदास और माता शबरी के मंदिर भी बनाए गए हैं, इसके अलावा निषादराज का मंदिर भी है।

राजनाथ सिंह का खड़गो को जवाब, ऐसी टिप्पणियों से विचलित नहीं होने वाले प्रधानमंत्री मोदी

इंफाल, एजेंसी । नई दिल्ली (ईएमएस) । केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गो की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिवंगत पिता को लेकर की गई कथित टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि खरगो की टिप्पणी से वह आहत और स्तब्ध हैं। प्रधानमंत्री मोदी को इस तरह की टिप्पणियों से न विचलित कर सकते हैं और न ही जनसेवा के प्रति उनके संकल्प को कमजोर किया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि टिप्पणी कांग्रेस के किसी सामान्य कार्यकर्ता या युवा नेता ने नहीं, बल्कि देश की सबसे पुरानी पार्टी होने का दावा करने वाली कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की है। उनके अनुसार, खड़गो के बयान से करोड़ों देशवासियों की भावनाएं आहत हुई हैं। केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपनी गलती स्वीकार करने और खेद व्यक्त करने के बजाय खड़गो के बयान को सही ठहराने में लगी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर बैठे व्यक्ति से सार्वजनिक जीवन में गंभीरता, संयम, मर्यादा और जिम्मेदार व्यवहार की अपेक्षा होती है। इस तरह की भाषा पद की गरिमा के विपरीत है और कांग्रेस की राजनीतिक संस्कृति पर सवाल खड़े करती है। केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि राजनीतिक विरोध लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन असहमति को व्यक्तिगत अपमान में बदलना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के कुछ नेता पहले प्रधानमंत्री मोदी की पारिवारिक पृष्ठभूमि का मजाक उड़ाते रहे हैं और उनकी माता के प्रति भी अभद्र भाषा का इस्तेमाल कई बार किया गया है। अब इस तरह की राजनीति पार्टी के शीर्ष नेतृत्व तक पहुंच गई है। रक्षा मंत्री ने कहा कि नीतियों पर सवाल उठाना और सत्ताधारी सरकार की आलोचना करना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन व्यक्तिगत मर्यादाओं का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी के परिवार को निशाना बनाना कांग्रेस की हताशा और वैचारिक कमजोरी को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि इस तरह की बयानबाजी केवल किसी व्यक्ति या परिवार का अपमान नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति की गरिमा को भी नुकसान पहुंचाती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता हर बात पर नजर रखती है और समय आने पर अपना जवाब देती है।



‘कश्मीर को घसीटकर नहीं, साथ लेकर चलिए’, महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार से की अपील

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय की वर्षगांठ के मौके पर पीछीपी प्रमुख और पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार से जम्मू-कश्मीर के लोगों को साथ लेकर चलने की अपील की। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर ने भारत के साथ जुड़ने का फैसला महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और डॉ. भीमराव अंबेडकर के धर्मनिरपेक्ष भारत की परिकल्पना के आधार पर किया था। पूर्व सीएम महबूबा ने कहा कि केंद्र को सख्ती करने के बजाय लोगों

का विश्वास जीतने पर ध्यान देना चाहिए। महबूबा ने अनुच्छेद 370 हटाने के बाद से जम्मू-कश्मीर के हालात पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि अगस्त 2019 में विशेष दर्जा समाप्त करने के बाद लोगों की मुश्किलें बढ़ी हैं। उन्होंने सुरक्षाबलों की तैनाती, छापेमारी और युवाओं को हिरासत में लेने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार जिस शांति और सामान्य स्थिति का दावा करती है, वह उनके अनुसार डर का परिणाम है।

पीछीपी प्रमुख ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के विचारों का उल्लेख कर कहा कि कश्मीर समस्या का समाधान इंसानिगत, एकता और कश्मीरियत के सिद्धांतों के आधार पर होना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से स्थानीय लोगों की भावनाओं और समस्याओं को समझने की अपील की। महबूबा ने हरियाणा में कश्मीरी यात्रियों से जुड़ी एक बस पर पत्थर फेंकने की घटना का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं चिंता पैदा करती हैं और जम्मू-

कश्मीर के लोगों को अब भी संदेह की नजर से देखने का सवाल उठती है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के भारत के साथ जुड़ने की परिस्थितियों को याद रखना जरूरी है। केंद्र सरकार को संबोधित कर महबूबा ने कहा, "जम्मू-कश्मीर को घसीटकर अपने साथ रखने की बजाय उसका हाथ पकड़कर उसे अपने साथ चलाइए।" उनका कहना है कि क्षेत्र में स्थायी शांति के लिए सख्ती के बजाय संवाद और विश्वास बहाली जरूरी है।



मुंबई में दमघोटी हुई हवा, बीएमसी के 28 सख्त नियम लागू, उल्लंघन पर निर्माण कार्य बंद करने की चेतावनी

मुंबई, एजेंसी। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में वायु प्रदूषण की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। समुद्र तट पर बसे शहर के कई इलाकों में धुंध छाई हुई है और इमारतें धुंधली दिखाई दे रही हैं। जानकारी के अनुसार, मुंबई का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्वआई) करीब 166 दर्ज हुआ, जो हवा की खराब होती स्थिति को दिखाता है। बढ़ते प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए बृह-मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने निर्माण परियोजनाओं के लिए 28 बिंदुओं वाली सख्त गाइडलाइन लागू की है। शहर में प्रदूषण के प्रमुख कारणों में निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल, वाहनों का धुआं, खुले में कचरा जलाना और हवा की धोमी गति शामिल हैं। इन समस्याओं से निपटने के लिए नगर निगम ने बिल्डिंग्स और ठेकेदारों को निर्धारित नियमों का पालन करने के निर्देश दिए हैं। श्रमिकों के लिए इलेक्ट्रिक हीटर उपलब्ध करने को कहा गया है, ताकि खुले में आग जलाने की घटनाओं को कम किया जा सके।

खड़गो तुरंत बिना शर्त माफी मांगें, पीएम मोदी पर टिप्पणी को लेकर भाजपा हमलावार

खड़गो की टिप्पणी राहुल गांधी की राजनीति की शैली को दिखाती

नई दिल्ली, एजेंसी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गो की कथित विवादित टिप्पणी पर सियासी घमासान तेज हुआ है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नेता खड़गो की कड़ी आलोचना कर उनसे तत्काल बिना शर्त माफी मांगने की मांग की। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केसवन ने कांग्रेस नेतृत्व पर सार्वजनिक विमर्श का स्तर गिराने और प्रधानमंत्री मोदी पर व्यक्तिगत हमले करने का आरोप लगाया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसवन ने कहा कि कांग्रेस नेता खड़गो की कथित टिप्पणी राहुल गांधी की राजनीति की शैली को दिखाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता लगातार प्रधानमंत्री मोदी को व्यक्तिगत रूप से निशाना बना रहे हैं। उनके मुताबिक, इस तरह की बयानबाजी से राजनीतिक संवाद की मर्यादा प्रभावित होती है और सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदार आचरण को भाजपा प्रवक्ता केसवन ने दावा किया कि

प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ व्यक्तिगत टिप्पणियां कोई नई बात नहीं है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं की ओर से प्रधानमंत्री मोदी के परिवार, विशेषकर उनकी दिवंगत मां को लेकर की गई कथित टिप्पणियों का उल्लेख किया। केसवन ने कहा कि राजनीतिक विरोध अपनी जगह है, लेकिन व्यक्तिगत अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल स्वीकार नहीं हो सकता है। उन्होंने खड़गो की टिप्पणी को देश के करोड़ों मतदाताओं के जनादेश का अपमान बताकर कहा कि संवैधानिक और सार्वजनिक पदों पर बैठे नेताओं से अधिक संयम तथा जिम्मेदारी की अपेक्षा की जाती है। उनके अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष को अपने पद की गरिमा बनाए रखनी चाहिए और अपने बयान के लिए जवाबदेही स्वीकार करनी चाहिए। खड़गो की टिप्पणी को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस विवाद ने राजनीतिक बयानबाजी और सार्वजनिक संवाद की मर्यादा को लेकर बहस तेज कर दी है।